विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

जलवायु परिवर्तन का नया आयाम-ग्रीन कार्ड प्रबंधन

26 जून 2023 को केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम रूल्स 2023 प्रस्तावित किया है। यह अपने किस्म का एक पहला इंस्ट्रूमेंट है जो लोगों को व्यक्तिगत स्तर पर एवम लोकल बॉडीज, उद्योगों, संगठनों को पर्यावरण अनुकूल कार्य करने के लिए इंसेंटिव प्रदान करता है और सकारात्मक कार्य की तरफ ले जाता है, साथ ही ग्रीन क्रेडिट प्रदान करता है।

ड्राफ्ट रूल्स में 8 सेक्टरस की पहचान की गई है जिसमें पौधारोपण, जल, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, अपशिष्ट प्रबंधन और वातावरण प्रदूषण शामिल हैं। एयर पॉल्यूशन डिटेक्शन और मैंग्रोव कंजर्वेशन है और रेस्टोरेशन भी शामिल हैं।

इको मार्क गवर्नमेंट स्कीम में एनवायरनमेंट के लिए प्रोडक्ट्स हैं। सस्टेनेबल बिल्डिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर भी इसमें शामिल है। रूल्स में संशोधन के सुझाव 60 दिन के अंदर मांगे गये थे लेकिन अभी इसमें बहुत काम बाकी है।

क्रियान्वयन की कठिनाइयों को देखते हुए इसमें एक्सपर्ट ने राय दी है। मधु वर्मा जलवायु परिवर्तन एक्सपर्ट हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीन क्रेडिट स्कीम से एक नए युग की शुरुआत हो सकती है लेकिन इसके लिए जागृति लाने की आवश्यकता है। यह बहुत अच्छा एक आवश्यकता पूर्ण करने वाला पैराडाइम शिफ्ट है।

कार्बन एमिशन से ध्यान हटा कर इसका उददेश्य पूर्ण रूप से पर्यावरण संरक्षण प्रदान करने वाला है। इस हेतु लोगों को प्रोत्साहित करता है विशेषतया वॉटर कंजर्वेशन के बारे में एवं सभी सेक्टरस के लिए एक फाऊंडेशनल फ्रेमवर्क तैयार करता है जिसके जरिए पर्यावरण को मजबूत भी करता है ।

योजना की सफलता के लिए गैर सरकारी संगठनों को आगे आना चाहिए। पर्यावरण के लिये इसमें जो इंसेंटिव है उनको किस प्रकार से लागू किया जाए यह एक समस्या है ।

योजना सस्टेनेबल सतत विकास की ओर ले जाती है । नागरिकों को व्यक्तिगत स्तर पर एवं संगठनों के स्तर पर प्रोत्साहन क्रेडिट प्रदान की जाएगी जिसके अंतर्गत वह कार्य जो हुआ है उसके लिए । इस प्रोत्साहन क्रेडिट को बेचा भी जा सकता है लेकिन इसके लिए क्या मेकैनिज्म होगा यह अभी तय नहीं हो पाया है। अभी स्पष्ट नहीं है कि किस प्रकार इस पर चोर बाजारी रोकी जाए। यदि हल्के-फुल्के काम के लिये प्रोत्साहन क्रेडिट दी जाएगी तो कोई अच्छा काम नहीं होगा ।

तालाब बनाने में स्थानीय संगठनों ने काम किया ।

नरेगा के जरिए काम किया गया इसके लिए किस प्रकार मूल्यांकन होगा यह अभी स्पष्ट नहीं है ।

रेगिस्तानी क्षेत्र में बेरी को रिवाइव करके जो काम किया गया जल संग्रहण का उसमें बहुत अच्छा रिजल्ट आया है और इसको प्रोत्साहन क्रेडिट अलग से किस प्रकार दी जाएगी क्योंकि इसमें गांव के लोगों का भी सहयोग होगा। क्रेडिट का बंटवारा किस प्रकार होगा ?

कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने से इसके क्या नुकसान हो सकते हैं इसका अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

ग्रीन ट्रेड प्रोग्राम एक अच्छा कदम है। सरकार द्वारा कार्बन कम करने के क्रेडिट का क्रेडिट दिया जाएगा ।

वह किस प्रकार से जलवायु की परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकती है अभी स्पष्ट नहीं है। अगर एक बिल्डर सस्टेनेबल बिल्डिंग बनाता है तो उसके लिए उसको क्रेडिट दी जाएगी लेकिन वह एक ट्रैडिबल वस्तु हो जाएगी और उससे आगे के लोगों के लिए जिम्मेदारी बनती है कि वह उसको किस प्रकार उपयोग करें ।

फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन, कोऑपरेटिव सोसाइटी और लोकल बॉडीज, प्राइवेट सेक्टर इंडस्ट्रीज सभी के लिए यह प्रोत्साहन कार्बन क्रेडिट के नाम से होगी।

इस प्रकार जल संग्रहण अथवा वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में सफल उद्योग या सफल जो उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे उनके आधार पर क्रेडिट दिया जा सकेगा।

पौधारोपण किये गये जमीन का मालिक कौन है फॉरेस्ट डिपार्मेंट या विलेज कमेटी के बाउंड्री के अंदर भी हो सकता है। इसमें कई उलझने भी हो सकती है। मैनेजर कौन है इसका?

यह शेड्यूल ट्राइब शेड्यूल ट्राइब की जमीन पर भी हो सकता है जिनके फॉरेस्ट राइट्स मान्य थे। इस प्रकार अड़चने आ सकती हैं।

एक बात स्पष्ट है कि व्यक्ति खुद ही एक सेल्फ सर्टिफिकेट दे सकता है सर्टिफिकेट किस प्रकार करेगा और इसमें क्या गड़बड़ हो सकती है ?

यह सर्टिफिकेट स्वयं द्वारा जारी किया जाएगा कार्य करने के बाद उसकी रजिस्ट्री कराना पड़ेगा । क्रेडिट रजिस्ट्री अलग होगी वहां पर करना पड़ेगा और उसके बाद में इंसेंटिव का जो परीक्षण होगा उसका उसके आधार पर दिया जाएगा।

इसके मॉनिटरिंग और इवैल्यूएशन (मूल्यांकन) की क्या व्यवस्था रहेगी। इकोसिस्टम में यह सर्विसेज में शामिल है ।

नव निर्मित ब्यावर जिले में भी पानी के कैचमेंट एरिया में कई काम हुए हैं इसमें मनरेगा मजदूरी मे सेंदरा एवं बर गांव में वाटर स्ट्रक्चर का काफी काम हुआ और टाउन टू अर्थ टीम ने इस गांव को भी देखा और उन्होंने पाया कि उस गांव में गांव वालों ने 95.2 मिलियन लीटर पानी को संग्रहित किया है और यह यह सबसे बडी सफलता है ।

सरकार को इसके विस्तार के लिए परामर्श के द्वार खोलने होंगे जो स्थानीय स्तर से लेकर के राज्य और केंद्रीय स्तर तक कंसल्टेशन हो सकेगा। कृषि क्षेत्र में यह एक गेम चेंजर का काम कर सकता है क्योंकि पर्यावरण में खेती में कैसे कम प्रदूषण हो और खेती सतत विकास में योगदान दे सके इसके आधार पर खेती के लिए क्रेडिट मिलेगी । इसके लिए विश्वसनीय डाटा होना जरूरी होगा और मॉनिटरिंग की जरूरत पड़ेगी क्योंकि बिना मूल्यांकन के कार्बन क्रेडिट दिया जाना भी ठीक नहीं होगा। प्रोटोकॉल मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग एवं वेरिफिकेशन के लिये जरूरी होगा।

राजस्थान के कई गांवो ने अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है और जल संग्रहण का उत्कृष्ट कार्य किया गया है ।

राजस्थान में जो पुरानी बेरी होती थी उसका ऊपर से मुख कम होता था आगे आध मीटर का और अंदर उसके तीन-चार मीटर तक गहराई होती थी पानी उसमें संग्रहित किया जाता था । बाड़मेर जिले में अचछा काम हुआ है।

डाउन टु अर्थ मैंगजीन ने इसकी रिपोर्टिंग की है 15 सितंबर 2023 के अंक मे विस्तार से । बाड़मेर जिले में 2 महीने में 155 तालाब बनाए गए हैं। हाईवे पर स्थापित पुराने बेरी के स्ट्रक्चर के आधार पर इसको किया गया है । बाड़मेर में मधेसर गांव है वहां पर दो महीने में यह काम किया गया है । छोटी-छोटी चैनल खोज करके बेरी से टैंक बनाया गया ।

लोग अपने घरों में जो टैंक बनाते थे उसमें भी बहुत ज्यादा पानी होता था और इस बार इसमें भी काम बहुत अच्छा हुआ है ।

स्थिति यह है कि अधिक वर्षा के कारण बेरी में जो पानी इकट्ठा हुआ है उसको टैंकर से ले भी जाने की स्थिति पैदा हो गई है।

रामसर रेगिस्तान में ऐसा स्थान है जहां पर किसी जमाने में पानी का अभाव था वहाँ और 60 अन्य गांवो में इस साल तालाब सूखे पड़े थे । बारिश के कारण गत मई-जून मे 17.5 मिलियन लीटर पानी आ गया और रिपोर्टिंग टीम ने यह भी देखा कि एक टैंकर भी वहां बेरी के सामने खड़ा है और 1200 प्रति टैंकर से पानी की सप्लाई की जाती है । रामसर तालाब 200 साल पुराना है और यह 15 साल में पहली बार में गत जून की हैवी बारिश में भर गया है, 3 पॉइंट 8 मिलियन लीटर पानी आया है और यह 12 महीने के लिए काफी है ।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर चंदनिया गांव में एक तालाब है जो फैला हुआ है और 200 साल पुराना है, यह रेगिस्तान के बीच मरुउद्यान का काम करता है । 3 साल में गाँव वालों ने उसको रिवाइव करने की कोशिश की है। यह भीमा तालाब के नाम से जाना जाता है और उसकी मिट्टी निकालकर सही किया गया है । पिछले जुलाई में वर्षा आ गई तो वहां पर इस तालाब की कैपेसिटी 1.2 बिलियन लिटर्स थी और यह एक चौथाई है भर चुका था। उसके आसपास 200 प्लस बेरी हुई बनी हुई है इसके अंदर भी बनी हुई है। तालाब के अलावा टाँके के भी हैं जौ गांव के घरों में बहुत अच्छा संसाधन हैं। गांव में घर के अंदर ही पानी का संग्रहण हो सकता है और इसे मैंने स्वयं देखा है। बाड़मेर के अनेक घरों में 6 महीने तक काम करता है और अच्छी बारिश में इसमे साल भर तक का पानी स्टोर किया जा सकता है।

वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का काम पाली जिले में भी हुआ है और इसमें रूपवास गांव में बहुत अच्छी वर्षा हुई। इसके कारण कैचमेंट एरिया था, उस पर बन्ध बनाया घाटी मे और मिट्टी भरने का काम किया और यहाँ एक से अधिक जो ट्रेडिशनल पॉइंट्स है इसमे पानी लाने की व्यवस्था की और करीब 1.5 मिलियन लिटर्स पानी इसमें भरा है । इसमें 27 टाँके भी है और यह पूरा भर सकता है । इस प्रकार रूपवास गांव में पाली जिले में काम अच्छा हुआ है।

नव निर्मित ब्यावर जिले में भी पानी के कैचमेंट एरिया में कई काम हुए हैं इसमें मनरेगा मजदूरी मे सेंदरा एवं बर गांव में वाटर स्ट्रक्चर का काफी काम हुआ और टाउन टू अर्थ टीम ने इस गांव को भी देखा और उन्होंने पाया कि उस गांव में गांव वालों ने 95.2 मिलियन लीटर पानी को संग्रहित किया है और यह यह सबसे बडी सफलता है । गांव के बारे में यह सच है कि पानी कम मिलता था लेकिन यहां पर नरेगा में 320 वाटर स्ट्रक्चर बार-बार कोशिश करके बनाया और मिट्टी का वह है । उसके अंदर फसल बहुत अच्छी ली है और कल्टीवेशन यथा खेती-बाड़ी डबल हो गई है ।

राजस्थान के कई गांव में सफलता से जल संग्रहण के नए स्ट्रक्चर बने एवं पुरानो को पुनर्जीवित किया गया है ।

गांव में किए गए कार्य का वर्गीकरण ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के लिए किस प्रकार किया जाएगा क्योंकि अनेक कार्यक्रमों में नरेगा के अंतर्गत काम हुआ है और व्यक्तिगत स्तर पर भी। खेतों पर वर्गीकरण के लिए और कार्बन क्रेडिट देने के लिए क्या जाच और मूल्यांकन करना पड़ेगा, परीक्षण करना पड़ेगा, ताकि फर्जी काम को रोका जा सके और फर्जी सर्टिफिकेट जारी नहीं हो।

कार्बन क्रेडिट पर विस्तार से विचार-विमर्श होना चाहिए और हमे सरकार को सुझाव देना चाहिए । इसको जलवायु परिवर्तन के नए आयाम से जोड कर सतत विकास के प्रयासो में स्थान देना होगा।

ग्रीन क्रेडिट ग्रीन वाश बन कर भ्रष्टाचार के नये आयाम न बने, हर स्तर पर सतर्क रहने की व्यवस्था करनी ही पड़ेगी।

–अतिथि सम्पादक,
आई.सी.श्रीवास्तव,
आई.ए.एस. (से.नि.)
(पूर्व अध्यक्ष, ट्रांसपेरेन्सी, इण्टरनेशनल इन्डिया)

उत्तम शौच धर्म से मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है, पवित्रता सर्वोपरि गुणों में से एक गुण है

भागचंद जैन मित्रपुरा

दशलक्षण धर्म के प्रथम तीन धर्म उत्तम क्षमा, मार्दव एवं आर्जव धर्म भाव प्रधान है। आज चतुर्थ दिवस पर हम उत्तम शौच धर्म मना रहे है। उत्तम शौच सहित आगे के पांच धर्म उपाव यानी मोक्ष मार्ग की सीढ़िया है। शौच धर्म का शाब्दिक अर्थ है शुद्धता एवं उत्तम शौच धर्म अर्थात आत्मा की पवित्रता। सम्यग दर्शन- आत्मा के श्रद्धान के साथ उत्तम शौच धर्म का नाम दिया जाता है। उत्तम शौच ही सम्यक चारित्र है, अंतश्चेतना की क्रांति है।

शारीरिक शुद्धता/पवित्रता तो बहुत आसान है परंतु आत्मा की शुद्धता/पवित्रता के लिए लोभ कषाय को त्यागना पड़ता है। इसी लिए कहा है - लोभ पाप का बाप बखाना अर्थात् सभी पापों की जड़ लोभ है। लोभ का अभाव एवं संतोष का भाव शौच धर्म कहा जा सकता है। लोभ कषाय के अभाव होने को शौच धर्म कहते हैं। विषयों के प्रति आसक्ति, भोग की वस्तुओं के प्रति आवश्यकता से अधिक झुकाव को लोभ कहते हैं। लोभ या लालच का संबंध केवल धनराशि से ही नही है, अपितु किसी भी वस्तु के प्रति अधिक आसक्ति लोभ है। सारे पापों की जड़ यह लालच ही है। लालची जीव किसी भी अवस्था में संतुष्ट नहीं होता वह तो सदैव ही असंतुष्ट रहता है, और असंतुष्ट जीव की लालसा, अदेय अपेक्षा कभी समाप्त नहीं हो सकती।

सामान्यत: जो लालची होगा वह अपनी विषय पूर्ति के लिए समय आने पर अवांछित प्रक्रिया चोरी, मायाचारी, छल-कपट, हिंसा, परिग्रह, बैर-भाव भी करता ही रहेगा और इस तरह के कृत्य की आदत बनी रहेगी। यही कारण है कि लोभ से बचना परम आवश्यक है। सामान्यत: शरीर की शुचिता, शुद्धता को ही पवित्र मान लेते है। जैन धर्म में शरीर की शुद्धता के बजाय परिणामों की शुद्धता पर बल दिया गया है। अपने मनोभाव में मलीनता ना आने देने से शुचिता का मार्ग प्रशस्त होता है। आत्मा को पवित्र बनाने के लिए हमें तीनों योग मन, वचन और काय को लोभ से दूर रखना होगा। लोभ के भाव का त्याग करना होगा। आत्म गुणों का चिंतन और मनन ही शौच धर्म का लक्षण है। राग द्वेष, मोह रहित रहना शौच धर्म है।

आहार विहार, आचार विचार, व्यवहार की शुद्धता, भोजन की शुद्धता, रात्रि भोजन त्यागना, अनछने जल का त्याग, सभी जीवों पर करुणा,दया, मैत्री भाव रखना आदि शौच धर्म के कुछ लक्षण हैं।

गंगा निकलती है तब पवित्र होती है लेकिन बाहरी संसर्ग से अपवित्र हो जाती है। इसी प्रकार आत्मा पवित्र होती है लेकिन लोभ के वशीभूत होकर अपवित्र हो जाती है।

कविवर 'पंडित द्यानतराय जी' ने लिखा है :

धरि हिरदै संतोष, करहु तपस्या देह सों।
शौच सदा निरदोष, धरम बड़ो संसार में।

जीव के हृदय अर्थात अंतर के परिणामों में संतोष होना चाहिए तथा देह से उसे सदैव तपस्या करनी चाहिए। शौच धर्म का पालन करने वाला सदैव निर्दोष होता है, इसलिये उसे सबसे बड़ा धर्म कहा गया है।

पण्डित की ने आगे लिखा हैं -

प्रानी सदा शुचि शील-जप-तप, ज्ञान-ध्यान प्रभाव तें।
नित गंग जमुन समुद्र न्हाये, अशुचि-दोष स्वभाव तें॥
ऊपर अमल मल-भर्यो भीतर, कौन विधि घट शुचि कहे।
बहु देह मैली सुगुन-थैली, शौच-गुन साधु लहे।

प्राणी अर्थात जीव शील,जप-तप, ज्ञान-ध्यान के भावों से ही शुचि अर्थात स्वच्छ होता है। नित्य गंगा-यमुना अथवा समुद्र के पूरे जल से भी यदि इस देह को स्वच्छ करने का प्रयास करेंगे तो भी यह स्वच्छ होने वाली नहीं है। यह ठीक उसी प्रकार है, जैसे कोई घड़ा ऊपर से तो स्वच्छ हो तथा अंदर से उसमें मल भरा हुआ हो तो कौन उसे स्वच्छ कहेगा वैसे ही, यह देह भी ऊपर से तो सुंदर दिखाई देती है परंतु अंदर झांकने पर इसके समान अस्वच्छ वस्तु कोई नहीं है।

उत्तम शौच लोभ परिहारी, संतोषी गुण रतन भंडारी।

अर्थात् निर्दोष शुचिता से लोभ कषाय का हनन होता है और ज्ञानी जन इस मैली देह के राग को छोड़कर अनंत गुणों का पुलिंदा जो आत्मा तथा उत्तम शौच धर्म है, उसे धारण करते है।

सरकार द्वारा भी स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया है। देश में स्वच्छता के प्रति जागृति आयी है, यह बाहरी स्वच्छता सबको अच्छी लगती है। शारीरिक स्वच्छता से आप कुछ सीमा तक बीमारी से छुटकारा प्राप्त कर सकते है। लेकिन इससे आगे बढ़कर आंतरिक स्वच्छता, शुद्धता के क्रम में यदि मन शुद्ध हो गया तो हम परम आनंद की प्राप्ति कर सकते है। शारीरिक और मानसिक बीमारियां अपने मन से सोचने की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। चिकित्सक मानने लगे है कि सभी तरह की दीर्घकालीन बीमारियां हमारी मानसिक विचारों से अत्यधिक प्रभावित होती है। विज्ञान ने या चिकित्सकों ने नया कुछ नहीं बनाया है धर्म ग्रंथो में दिए गए उद्धरणों का दोहन किया गया है। हमारी प्राचीन समृद्ध संस्कृति को आत्मसात किया है एवम् नये नए आविष्कारों को जन्म दिया है।

क्या हम सभी इस पर्व के अवसर पर सीमित रूप में ही सही, आनंद प्राप्ति के लिए उत्तम पवित्रता का मार्ग अपना सकते है ?

उत्तम शौच परमाणु शक्ति से भी अधिक शक्तिशाली है।

संकलन–भागचंद जैन मित्रपुरा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

विधानसभा चुनाव में सनातन का मुद्दा मतदाताओं को कितना प्रभावित करेगा

राजेन्द्र जोशी

सभी राजनैतिक पार्टियां अपने वजूद को टटोल रही है, विधान सभा चुनाव को देखते हुए राजनैतिक दल हड़बड़ी में नहीं है। सभी राजनैतिक पार्टियां जिताऊ उम्मीदवार के साथ-साथ आंतरिक विरोध को सीमित करना चाह रही है इसलिए यह भी तय है की राजस्थान विधानसभा चुनाव में आचार संहिता लागू होने के बाद ही उम्मीदवार तय होंगे, वातावरण बनाने की बात रही कि हम इस बार अगस्त-सितम्बर में ही उम्मीदवार तय कर देंगे। लेकिन पूरा प्रदेश चुनावी मोड में है। पक्ष-विपक्ष मतदाताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। समस्त राजनैतिक दल चुनावी मुद्दे तलाश रहे है। जितने आसानी से पिछले चार चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को राम के नाम का मुद्दा मिला हुआ था। इस चुनाव में वह भी नये मुद्दे की तलाश में है। कांग्रेस के पास तो मतदाताओं को आकर्षित करने का मुद्दा है भी नहीं। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी सदैव आक्रामक रही है, भारतीय जनता पार्टी को सनातन नाम का एक मुद्दा जरूर हाथ लगा है, जिसको वह विधानसभा चुनाव में पूरी तरह भुनाने का काम करेंगे। भारतीय जनता पार्टी को यह बात अच्छी तरह समझ आ गई है कि चुनाव जीतने के लिए लोगों की भावनाएं एवं आस्था से जुड़े मुद्दे ही उनकी बेतरनी पार करा सकते है। इसलिए दक्षिण से उठी बात को वह मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी मुद्दा बनाकर प्रस्तुत करना चाह रहे हैं। सफलता तो समय तय करेगा। भारतीय जनता पार्टी यह बात अच्छी तरह जानती है कि देश की अधिकांश आबादी को भावनात्मक रूप से वोटो में परिवर्तित करने के लिए धर्म और आस्था का मुद्दा ही उसे चुनाव जीता सकता है। परंतु कांग्रेस के पास धर्म और आस्था का तोड़ बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि इस विषय पर वह खुद घेरे में आ जाती है। उनके अनेक बड़े-बुजूर्ग नेता चुनाव के दौरान इस तरह का बयान दे देते हैं जो भारतीय जनता पार्टी को चुनाव जीतने के लिए काफी होता है। पहले राम को खतरे में बताकर सत्ता परिवर्तन हुआ था और अब सनातन खतरे में हो गया जबकि पूरा देश इस बात से परिचित है की ना तो राम खतरे में हो सकता है और ना ही सनातन को समाप्त करने कि किसी व्यक्ति विशेष या समूह विशेष की ताकत में है । धर्म और आस्था का विषय ऐसा है कि सारे विकास के मुद्दे गौण हो जाते हैं और धर्म और आस्था प्रभावित होने लगती है। सदियों पूर्व मुगल राजाओं एवं अंग्रेजो ने भारत पर शासन किया परंतु सनातन कभी भी समाप्त नहीं हुआ। कांग्रेस के शासनकाल में भी सनातन कभी अपमानित नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस आपस में एक दूसरे का सहयोग करें एक जुटता के साथ चुनाव लड़े रणनीतिकार रणनीति बनाएँ तो मुकाबला किया जा सकता है। परंतु कांग्रेस की स्थिति यह है कि वह जब चुनाव जीतती है तो मार्जन पर और हारती है तब एकदम निचले पायदान पर चली जाती है ।

ऐसे में सनातन का मुद्दा लोकसभा चुनाव का तो बन सकता है परंतु विधानसभा चुनाव में सनातन का मुद्दा प्रभावित होना मुश्किल लग रहा है ऐसे में कांग्रेस के रणनीतिकार किसी एक प्रभावी मुद्दे या दो-तीन मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरे जो सीधे मतदाताओं को प्रभावित कर सकें। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की समस्या यह है कि यहां नेतृत्व का झगड़ा हर समय बना रहता है, कांग्रेस अब सरकारी कांग्रेस हो चुकी है और वह केवल विधायकों तक सीमित है। पार्टी चुनाव में कितनी प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं यह देखने वाली बात है। कांग्रेस खुद भी सत्ता में आने के बाद केवल विधायकों तक सीमित हो जाती है। संगठन हासिये पर चला जाता है। इसलिए मुद्दों को जमीनी स्तर पर पहुंचाने के लिए निष्ठावान कार्यकर्त्ताओं की जरूरत होगी। ऐसे में देखना यह है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में सनातन मुद्दा बनता है या नहीं ?

–राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

180 वरिष्ठ नागरिकों का दल तीर्थ यात्रा के लिए रवाना

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग से 180 वरिष्ठ नागरिकों का दल कामाख्या देवी, आसाम के दर्शनों के लिए बुधवार दोपहर को अजमेर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन को आरटीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ और राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार के उपाध्यक्ष राजेश टंडन द्वारा हरी झंडी दिखाकर अजमेर से रवाना किया। जयपुर संभाग से तथा अलवर से भी वरिष्ठ नागरिक इस ट्रेन में साथ शामिल होते जाएंगे। इस तरह से करीब 500 यात्री कामाख्या देवी दर्शन हेतु जाएंगे।

आरटीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि देवस्थान विभाग के माध्यम से इन वरिष्ठ नागरिक यात्रियों का चयन एक निर्धारित प्रक्रिया द्वारा किया गया है और फिर उन्हें यात्रा पर आईआरसीटीसी के माध्यम से भेजा जाएगा और उनकी यात्रा पूर्णतया नि:शुल्क है। इस यात्रा के अन्दर इन वरिष्ट नागरिकों को

- **स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, जयपुर संभाग व अलवर से भी वरिष्ठ नागरिक शामिल होंगे**

भोजन, मेडिकल एवं इन धार्मिक स्थलों पर भ्रमण हेतु आवक-जावक माध्यम बस इत्यादि का खर्च भी राजस्थान सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस यात्रा में जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन में सुबह के पौष्टिक नाश्ते से लेकर रात तक के भोजन व दूध की व्यवस्था की जाती है तथा इस ट्रेन एक राजपत्रित अधिकारी व मेडीकल स्टाफ मय दवाईयों के 24 घंटे उपलब्ध रहता है।

इस अवसर पर पार्षद नोरत गुर्जर, शेलेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

कोबरा सांप को रेस्क्यू किया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के सांभर बाइपास रोड स्थित समाजसेवी धन्ना लाल प्रजापति के खेत पर बने कमरे में करीब चार से पांच फीट लम्बा कोबरा सांप घुस गया। इसकी सूचना कस्बे में संचालित संस्था डब्ल्यूसीओ के संस्थापक ओमप्रकाश सैन पींटी को दी।

डब्लूसीओ के पींटी ने उक्त सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर कमरे में घुसे कोबरा सांप को रेस्क्यू किया। इसके बाद उसे खुले जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। इस दौरान ओमप्रकाश सैन ने बताया कि राजस्थान में पाये जाने वाले सबसे जहरीले सांपों में से एक यह कोबरा सांप भी है। जिसके काटने पर मनुष्य का दम घुटने लगता है, सांस रूकने लगती है। इस दौरान डॉक्टर के उचित उपचार के अभाव में व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। संस्था के पीन्टी ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम के सदस्यों ने मिलकर अब तक करीब 5286 सरीसृप (सांप, गोयरा, धामन) एवं लगभग 2100 से ज्यादा घायल

फुलेरा में कोबरा सांप को ओमप्रकाश सैन पींटी ने रेस्क्यू किया।

पक्षियों का रेस्क्यू कर उन्हें बचाया है। वहीं आगे बताया कि वन्यजीव व पर्यावरण को बचाने में वन विभाग के श्याम शर्मा का डब्ल्यूसीओ संस्था को विशेष सहयोग रहा है। इसके साथ ही हमारी संस्था एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अब तक लगभग 1100 पौधे भी लगा चुके है।

राशिफल गुरूवार 21 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, अनुराधा नक्षत्र दिन 3:35 तक, प्रीति योग रात्रि 1:44 तक, तैतिल करण दिन 2:15 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 3:35 तक है। आज सूर्य षष्ठी व्रत, बलराम जयन्ती, कार्तिक स्वामी दर्शन, मंथन षष्ठी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:49 तक, चर 10:44 से 12:20 तक, लाभ-अमृत 12:20 से 3:21 तक, शुभ 4:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:22

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

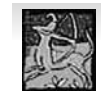

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यावसायिक/आर्थिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर

आर्थिक स्थिति में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।